ESTD : 1954

दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन

मासिक

समाचार पत्रिका

संपादक : एच. एल. खन्ना केवल सदस्यों के लिए निःशुल्क वितरण हेतु अंकः अक्टूबर 2019

Indian Printing Packaging & Allied Machinery Manufacturers' Association

IPAMA की नई कार्यकारिणी के चुनाव सम्पन्न

2019-21 की अवधि के लिए भारतीय मुद्रण पैकेजिंग और संबद्ध मशीनरी निर्माता संघ (IPAMA) की गवर्निंग काउंसिल के लिए चुनाव 16 अक्टूबर 2019 को संपन्न हुए। मतपत्रों की गिनती के बाद, निम्नलिखित उम्मीदवारों को श्री आर.के. वर्मा, चुनाव अधिकारी ने विजयी घोषित किया। -(गवर्निंग काउंसिल के सदस्यों की सूची) 1. श्री आदित्य गुप्ता 2. श्री डी। एच। देशपांडे 3. श्री डी। के। गर्ग 4. श्री धर्मेश अरोड़ा 5. श्री हरीश बंसल 6. श्री जयवीर सिंह 7. श्री महेश तंवर 8. श्री मनीष ए। पांचाल 9. श्री नितिन गर्ग 10. श्री पी.के. भल्ला 11. श्री आर। सुरेश कुमार 12. श्री राकेश के। सोढ़ी 13. श्री रविन्द्र सिंह 14. श्री एस। राजाराम 15. श्री सतीश कौशिक 16. श्री टी। डी। रघानी 17. श्री टी। आर। महाजन 18. श्री विनय कुमार गुप्ता 19. श्री अशोक कुमार सेठ - सह-चयनित 20. श्री गगन सिंह - सह-चयनित 21. श्री बी.एस. रावत - को-ऑप्टेड

गवर्निंग काउंसिल की बैठक के दौरान, सदन की आम सहमति थी कि अध्यक्ष, महासचिव और कोषाध्यक्ष ने एक उत्कृष्ट कार्य किया है, इसलिए उन पदों के लिए चुनाव का सहारा नहीं लिया जाना चाहिए। इसलिए, सर्वसम्मति से राष्ट्रपति के लिए श्री एस. डेकेकर रेड्डी, मानद महासचिव के लिए श्री इकबाल सिंह और कोषाध्यक्ष के रूप में श्री धर्म पाल रावत के नामों का प्रस्ताव रखा गया और उन्हें सदन ने मंजूरी दे दी।

तत्पश्चात, निम्नलिखित अधिकारी पदाधिकारियों को IPAMA के नए पदाधिकारी के रूप में चुना गया: 1. श्री एस. दयाकर रेड्डी, अध्यक्ष 2. श्री इकबाल सिंह, महासचिव 3. श्री धर्मपाल रावत, कोषाध्यक्ष 4. श्री विनय कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष '(उत्तर) 5. श्री पी.के. भल्ला, उपाध्यक्ष (पश्चिम) 6. श्री जयवीर सिंह, उपाध्यक्ष (पूर्व) 7. श्री आर. सुरेश कुमार, उपाध्यक्ष (दक्षिण) 8. श्री राकेश के. सोढ़ी संयुक्त सचिव (पूर्व) 9. श्री सतीश कौशिक, संयुक्त सचिव (पश्चिम) 10. श्री धर्मेश अरोड़ा = संयुक्त सचिव (उत्तर) 11. श्री हरीश बंसल, संयुक्त सचिव (दक्षिण)।

FALCON VACUUM PUMPS

D LV 1000 C DV
For Komori Offset

D LV 1000 C DVVL
For Heidelberg Double Color

Manufactured, Sold & Serviced by :
FALCON VACUUM PUMPS & SYSTEMS
Office: 98, Ram Saroop Industrial Complex,
Mujessar, Faridabad - 121005, Haryana (INDIA)
Works: Plot No. 151, Sector-24,
Faridabad - 121 005, Haryana (INDIA)
Phone : +91-129-4022837, 4026023
E-mail : info@falconpumps.com
Website : www.falconpumps.com

ESTD : 1954

President
Mr. Mahinder Budhiraja
9312241788

Imm. Former President
Mr. Rajesh Sardana
98100-31996

Vice-Presidents
Mr. Ashok Kumar Nandra
9250055555

Mr. Prakash Dass
9818724948

Mr. Puneet Talwar
9811081291

Hon. General Secretary
Mr. Kewal Krishan Singhal
9811115945

Joint-secretaries
Mr. Prashant Aggarwal
9971214455

Mr. Sandeep Aggarwal
9811040044

Treasurer
Mr. Meghraj Bhati
9810352633

Executive Members
Mr. Ajay Sharma
Mr. Ashish Verma
Mr. Ashok Aggarwal
Mr. Atul Goel
Mr. D.K. Vohra
Mr. Deepak Bhatia
Mr. M. N. Pandey
Mr. P.K. Chauhan
Mr. Puneet Bajaj
Mr. Raghu Nandan Sharma
Mr. Rakesh Malik
Mr. S.S. Lunkar
Mr. Sanjay Sharma
Mr. Shiv Mittal
Mr. Simranjot Singh Bhatia
Mr. Sunil Jain
Mr. Vijay Goel
Mr. Vijay Jain
Mr. Vikas Gaur
Mr. Vivek Jain

Executive Secretary
H.L. Khanna
9958043222

Delhi Printers' Association
Flat No. 26A,
Shanker Market,
New Delhi-110001
Tel. : 011-23414415
Telefax : 011-23412574
Email : delhiprinter@hotmail.com

आवश्यक सूचनाएं

डीपीए के सदस्यों की डायरेक्टरी के संशोधित संस्करण हेतु
डायरेक्टरी के लिए सदस्यों को अपडेट भेजने की अंतिम तिथि 30 नवम्बर

मासिक समाचार पत्रिका के पिछले जून, जुलाई 2019 और अगस्त-सितम्बर 2019 के अंकों में हमने आवश्यक सूचना के अन्तर्गत छापा था कि दिल्ली प्रिन्टर्स एसोसिएशन अपने सदस्यों की निर्देशिका का नया संस्करण निकालने जा रही है। इस नई डारेक्टरी में सदस्यों की नवीनतम जानकारी छापने के लिए एक प्रोफार्मा सभी सदस्यों को पत्रिका के साथ मेल द्वारा एवं वाट्सएप पर कई बार भेजा चुका है किन्तु अभी भी बहुत से सदस्यों ने प्रोफार्मा भरकर नहीं भेजा है।

जिन सदस्यों ने अपनी फर्म की नवीनतम जानकारी नहीं भेजी है उन सभी से एक बार फिर अनुरोध कि प्रोफार्मा भरकर फोटो के साथ शीघ्र ही भेज दे ताकि डायरेक्टरी समय के भीतर छपी जा सके।

यदि शेष सदस्यों की ताजा जानकारी 30 नवम्बर तक हमें प्राप्त नहीं होती तो मजबूरन हमें उनकी पुरानी डिटेल ही छापनी पड़ेगी। अतः आपका तत्काल सहयोग वांछित है।

दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन का WhatsApp Number

पिछले कुछ समय से सदस्यों ने देखा होगा कि डीपीए द्वारा सदस्यों को आवश्यक तथा महत्वपूर्ण जानकारी एवं सूचनाएं न केवल पत्रिका में छापकर तथा ई-मेल द्वारा भेजी जा रही हैं, अपितु **WhatsApp** के माध्यम से भी लगातार समय-समय पर भेजी जा रही हैं। अतः सदस्यों से अनुरोध हे कि वे डी.पी.ए. का **WhatsApp नम्बर 9971371109** अपने मोबाइल में सेव कर लें। यदि कोई सदस्य डीपीए को कोई सुझाव तथा सूचना देना चाहता है तो वह इसी नम्बर के द्वारा भेज सकता है।

वर्ष 2019–2020 के वार्षिक शुल्क के लिए सदस्यों से अनुरोध

जिन सदस्यों ने अपना वर्ष 2019–2020 का वार्षिक शुल्क अभी तक नहीं भेजा है उन्हें याद दिलाया जा रहा है कि अपना शुल्क स्वयं/कोरियर/डाक द्वारा शीघ्रअतिशीघ्र भेजने की कृपा करें। कुछ सदस्य ऐसे भी हैं जिनका वार्षिक शुल्क 2018–2019 का भी नहीं आया है, उन्हें फिर याद दिलाया जाता है कि लगातार दो वर्ष तक वार्षिक शुल्क न आने पर एसोसिएशन की सदस्यता स्वयं समाप्त हो जाती है।

यदि आप वार्षिक चंदा बैंक में सीधे जमा करना चाहते हैं तो संस्था के निम्नलिखित दो बैंक खातों में से किसी में भी जमा करवा सकते हैं तथा जमा करने के बाद संस्था को सूचित कर दें। बैंक का विवरण इस प्रकार है।

Delhi Printers' Association
Saving A/c No. 90042010031370
IFSC Code-SYNB0009004
Bank Name - Syndicate Bank

Delhi Printers' Association
OD A/C No. 0022414008455
IFSC Code-HDFC0CTJCBL
Bank Name-The Janata
Co-Operative Bank Ltd.

NEW WEBSITE OF DELHI PRINTERS' ASSOCIATION

DPA has launched its revamped website recently. Please explore the updaed website. We would be grateful for any feedback about further improvement.
Explore at: www.delhiprintersassociation.org

A complete house of
Designing and Printing...
Magazines, Brochures, Catalouges, Books,
Souvenir, Prospectus, Posters,
Annual Reports, Newsletters, and more...

CHANDU PRESS
Factory: 469, Patpar Ganj Industrial Estate, Delhi-92; Off: D-97, Shakarpur, Delhi-110 092
Telefax : 22424396, 22526936 Mobile : 9313372130 ; 9810519841
E-mail : chandupress@gmail.com

अध्यक्ष की कलम से

यद्यपि आजकल अधिकतर उद्योगों की व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ नहीं है किन्तु अनेक वर्षों से प्रिंटिंग उद्योग अनगिनत कारणों से कठिनाइयों के दौर से गुज़र रहा है। इसका मुख्य कारण है कि जहाँ एक ओर कच्चे माल, श्रम, फैक्ट्री बिलडिंग तथा ओवरहेड्स की लागत में लगातार वृद्धि होना है वहीं दूसरी ओर छपाई की पुरानी दरों का लगभग स्थिर रहना है।

घटते मुनाफे के साथ बड़ी इकाइयां भी अस्तित्व के लिए जूझ रही हैं। कम ओवरहेड्स के कारण केवल छोटी और सूक्ष्म इकाइयाँ किसी तरह काम चला रही हैं, जबकि बड़े प्रिंटर आधुनिक तकनीक के साथ लैस होकर और अपने खर्चों को नियंत्रित करके टिके हैं। मध्यम आकार की इकाइयों को सीमित वित्तीय संसाधनों के होने के कारण अधिक संघर्ष करना पड़ता है। दूसरी ओर, प्रिंट उपभोक्ता परिपक्व हो गया है और सबसे कम कीमत पर उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की मांग करता है। बढ़ते स्वचालन और डिजिटलीकरण ने दुनिया भर में उत्पादन के लगभग सभी क्षेत्रों में क्रांति ला दी है।

किसी भी अन्य उद्योग की तरह, मुद्रण उद्योग को भी आवश्यक आधुनिकीकरण के लिए पर्याप्त पूंजी प्रवाह की आवश्यकता होती है। हालांकि अधिकांश प्रिंटरों को वित्त की आवश्यकता होती है, फिर भी आधुनिकीकरण के लिए हिम्मतवाले ही कदम उठाते हैं। साथ ही उन्हें स्वयं भी तकनीक ज्ञाता होना चाहिए ताकि वे सीमित संसाधनों के भीतर ही सर्वश्रेष्ठ मशीनरी खरीदें। फिर अपने कर्मचारियों को नई तकनीक से कुशल बनाना या नए अनुभवी ऑपरेटरों को खोजने की आवश्यकता होती है। साथ ही प्रिंटर को बाज़ार की मांग का आकलन करने के लिए अपनी आंखों और कानों को खुला रखना चाहिए, क्योंकि अक्सर इकाइयों को पारंपरिक प्रिंटिंग से लेबल प्रिंटिंग और पैकेजिंग में स्थानांतरित होना पड़ता है। इस प्रतिस्पर्धी दुनिया में अपने उत्पादों को बेचना बेहद कठिन है। यह आपके प्रसिद्ध नाम, गुणवत्ता और समय पर छापे गए माल की डिलिवरी देना आदि विशेष सेवाएँ हैं जिनके कारण आपका ग्राहक किसी और छापेखाने में नहीं जाता है अपितु नये ग्राहक आपसे जुड़ते हैं। मैं केवल आपको प्रिंट बाजार में वर्तमान परिदृश्य के बारे में बता रहा हूँ ताकि आप अपने व्यवसाय में सतर्क रहें और बदलते हुए समय के अनुकूल स्वयं को बदलें। हमें निराश नहीं होना चाहिए क्योंकि प्रिंट सेक्टर में आज भी व्यवसाय चलाने के लिए पर्याप्त गुंजाइश है।

–महिन्द्र बुद्धिराजा, अध्यक्ष

महासचिव की कलम से

समय-समय पर ईमेल, व्हाट्सऐप तथा इस पत्रिका के माध्यम से हम सदस्यों को मुद्रण व्यवसाय से संबंधित ताज़ी जानकारी देते रहते हैं। अपने 14 अक्तूबर 2019 के फैसले के द्वारा सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को उन्हीं के मार्च 3, 2017 के अध्यादेश के अंतर्गत एक मुश्त 37 प्रतिशत बढ़ाए गये संशोधित मिनिमम वेज को मानते हुए दिल्ली सरकार को आदेश दिया कि वह अध्यादेश जारी करके इन्हें लागू कर सकती है। तत्पश्चात दिल्ली सरकार ने अपने 22 अक्तूबर 2019 के अध्यादेश के तहत नये वेज दिल्ली में लागू कर दिये थे। डीपीए ने एक सर्कुलर के द्वारा सभी सदस्यों को नये वेतनमान सूचित कर दिये थे तथा इस अंक में भी छाप रहे हैं।

डीपीए द्वारा डाइरेक्ट्री ऑफ मैम्बर्स के नये 12वें संस्करण को छापने के लिए सदस्यों से एक प्रोफार्मा भरकर अपनी फर्म की ताज़ा जानकारी माँगी गई थी किन्तु अभी तक कुछ सदस्यों ने रिमाइन्डर भेजने के बाद भी प्रोफार्मा भरकर नहीं दिया है। इन सदस्यों से पुनः अनुरोध है कि नई डाइरेक्ट्री शीघ्र छापने के लिए सहयोग करें। इस पत्रिका के पिछले अंक में हमने DRUPA-2020 प्रदर्शनी में सदस्यों द्वारा प्रवेश टिकटों पर डीपीए को एक, तीन तथा पाँच दिवसीय विज़िट करने के लिए विशेष छूट वाले वाउचर कोड की जानकारी छापी थी। एक बार फिर सदस्यों से अनुरोध है कि जो 16-26 जून 2020 में डुसेलडार्फ में होने वाली DRUPA को विज़िट करने के इच्छुक हैं वे डीपीए से इच्छित वाउचर कोड लेकर इस विशेष छूट का लाभ उठाएँ।

यूँ तो तीव्र गति से बढ़ती 'ग्लोबल वार्मिंग' तथा जलवायु में आए परिवर्तन से पूरा विश्व प्रभावित एवं परेशान है, किन्तु भारत में विभिन्न तटवर्ती क्षेत्रों में भयंकर तूफ़ानों, बाढ़ आदि तथा अन्य क्षेत्रों में सूखे या अतिवर्षा से लोग गम्भीर रूप से आहत हैं। जैसा कि हम सब जानते हैं कि आज पूरे उत्तर भारत में विशेषकर राजधानी क्षेत्र में लोग धूल व धुएँ के कारण फैली धुन्ध से जूझ रहे हैं। इस दूशित वातावरण के चलते डीपीसीसी तथा एनजीटी विशेषरूप से सक्रिय हो गए हैं और टास्क फोर्स बना कर सभी औद्योगिक क्षेत्रों में सर्वे करके जल तथा वायु को दूषित करती इकाइयों तथा जिनके पास कन्सेंट-टू-आपरेट व लाइसेन्स नहीं है, को नोटिस भेजकर व चालान करके मोटे जुर्माने लगा रहे हैं। आपकी संस्था डीपीए अपने सदस्यों की इन परेशानियों से पूरी तरह वाकिफ़ एवं सजग है तथा सम्बधित अधिकारियों से सम्पर्क करके सदस्यों की विभिन्न परेशानियों को दूर करने के लिए पूर्णतः प्रयासरत है। डीपीए द्वारा विशेष कदम उठाए जाने के साथ ही हम सभी सदस्यों से आग्रह करते हैं कि वे लेबर डिपार्टमैन्ट, डीपीसीसी, आदि संस्थानों द्वारा निर्देशित नियमों का सख्ती से पालन करे तथा लाईसेन्स, कन्सेन्ट टू आपरेट आदि सभी कागज़ात पूरे करके रिकार्ड सही रखे ताकि टास्क फोर्स टीम को निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार का जुर्माना लगाने का अवसर न मिले। साथ ही मैं सदस्यों को आगाह करना चाहता हूँ कि चूंकि आजकल सभी प्रकार के लाईसन्स व सर्टिफिकेट आनलाइन एप्लाई करके प्राप्त किए जा सकते हैं अतः किसी मध्यस्थ व्यक्ति की सहायता लेकर पैसा न गवाएँ।

–केवल कृष्ण सिंघल, egk l fpo

NARSINGH & COMPANY
HO: 2241/36, 1st Floor, Kucha Challan, Daryaganj, New Delhi -110002
Phone: 011-23280705, 23269068
Mobile No: 9313515899, 9650453034, 7838671806, 9555707274
Email: narsinghgraphic@hotmail.com; sagar.screen147@gmail.com

SAGAR SCREEN
HO: 3601, Gali Hakim Bua wali, Shyam Bhawan, Netaji Subhash Marg, Daryaganj, New Delhi -110002
Phone: 011-23265826, 23269068
Mobile No: 7838671806, 9555707274, 9313515899, 9650453034,
Email: sagar.screen147@gmail.com

KHUSHI RAM & SONS
G-147 (Basement), Sector-63, Noida -201301 (U.P.)Phone: 0120-2406271 / 72
Mob: 9313515899, 7838671806, 8076993759
Email: khushiramsons148@gmail.com: narsinghgraphic@hotmail.com; sagar.screen147@gmail.com

BO: 1/11287A, Street No. 1, Subhash Park, Near Namkeen Chowk, Navin Shahdara, Delhi -32, Ph:9313515899, 7838671806, 9971685304

AUTHORIZED DEALER : Hubergroup India Pvt. Ltd., Siegwerk India Pvt. Ltd, Zenith Rubber Limited, Fujikura Rubber, Blankets, KRS Royal Green Blankets, Technova Inkjet Media, Technova Plates & Chemicals. **STOCKIST:** Damping Hose, Glass Balls, KRS Royal Green Blankets, Rubber Blankets (Fujikura, Cow & Valcon Reavees, Sawa, etc), Loyee, Graphic Art Films (Fuji)Tapes (Panfix, Comat, Classic) Arabic Gum & Machine Gum and other offset processing & Printing materials, STC Chemicals, Carbon Rod, Astolen Sheet, etc.

पैकेजिंग इंडस्ट्री में दिख रहे हैं मौके, क्या आप करेंगे निवेश?

पैकेजिंग इंडस्ट्री कई उद्योगों के लिए वैल्यू एडेड सेवाएं (वैल्यू एडेड सर्विसेज) देती है। इसमें मैन्यूफैक्चरिंग, फार्मा, रिटेल, एफएमसीजी जैसे कई नाम शामिल हैं। फार्मा और फूड इंडस्ट्री का विस्तार हो रहा है, जिस वजह से पैकेजिंग का बाजार तेजी से फल–फूल रहा है।

पेपर पैकेजिंग इंडस्ट्रीज से बाजार का कुल 30 फीसदी हिस्सा आता है। यह इंडस्ट्री अपना पैठ बना रही है। इसके अलावा देश भर में सतत पैकेजिंग जैसे जूट, कपड़ा, कागज और पौधों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है।

पैकेजिंग बाजार में प्लास्टिक का काफी इस्तेमाल होता है। यह दिखने में आकर्षक होने से ग्राहकों को अच्छा लगता है। जीवनशैली में बदलाव और ग्राहकों के बदलते पैटर्न ने पैकेज्ड प्रोडक्ट्स की मांग बढ़ा दी है, जिससे यह उद्योग फल–फूल रहा है।

ग्राहकों की प्राथमिकताएं बदल रही हैं। इसकी वजह से पैकेजिंग इंडस्ट्री को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, मगर बदलती और बेहतर तकनीक ने इस इंडस्ट्री को कायम रखा है. इसके अलावा देश में ई–कॉमर्स बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है, जो इस इंडस्ट्री को और मजबूती देगा।

हाल ही में कच्चे तेल की कीमतों में करीब 30 फीसदी तक की गिरावट आई थी. प्लास्टिक पेट्रोलियम उत्पादों की रिफाइनिंग से बनता है. कच्चे तेल की कम कीमतों से प्लास्टिक उत्पादन के कच्चे माल की कीमतें कम हो जाती हैं।

घरेलू पैकेजिंग इंडस्ट्री बीते पांच सालों में 15 फीसदी की सालाना दर से बढ़ी है। संभव है कि साल 2025 तक यह +32 अरब का व्यापार बन जाए. यदि प्रति व्यक्ति

पैकेजिंग खपत की मानें, तो भारत में इसकी औसत दर 8.7 किलो है, जबकि जर्मनी और ताइवान में यह क्रमशरू 42 किलो और 19 किलो है।

इस इंडस्ट्री से प्रत्यक्ष रूप से 50 लाख लोग और अप्रत्यक्ष रूप से 15 लाख लोग जुड़े हुए हैं. ऐसे में इंडस्ट्री की तेज ग्रोथ की उम्मीद की जा सकती है। संगठित रिटेल और ई–कॉमर्स की सफलता ने इस क्षेत्र में कई नई संभावनों को जन्म दिया है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों की बढ़ती लोकप्रियता और ग्राहकों के बीच ब्रांड के प्रति जागरूकता ने इस इंडस्ट्री में जान फूंक दी है. इसी बीच खाद्य सुरक्षा और पैकेजिंग नियम सख्त हो रहे हैं। माना जा रहा है कि इससे इंडस्ट्री में क्वालिटी के क्षेत्र में सुधार होगा। फूड प्रोडक्ट्स की बढ़ती मांग से भी पैकेजिंग इंडस्ट्री को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ, सरकार भी भारत को मैन्यूफैक्चरिंग हब बनाने पर जोर दे रही हैं। इससे भी इंडस्ट्री पर काफी असर पड़ेगा।

नए बिजनेस और ऑन्त्रप्रेन्योर्स पैकेजिंग इंडस्ट्री को मजबूती दे रहे हैं। अब पारंपारिक बिजनेस भी अब इस राह पर चलने लगे हैं। छोटे और मध्यम आकार के कारोबार से भी बिजनेस में बेहतर अवसरों का निर्माण हो रहा है। भारतीय पैकेजिंग सेक्टर काफी तेजी से बढ़ रहा है। देश की शीर्ष पैकिंग कंपनियां एसेल प्रोपैक, यूफ्लेक्स अपनी कमर कस रही हैं। वे कई नए विचार और आविष्कार करने पर जोर दे रही हैं। लंबी अवधि में निवेश के लिए दोनों ही कंपनियों पर विचार किया जा सकता है।

(डीके अग्रवाल एसएमसी इंवेस्टमेंट एंड एडवाइजर्स के चेयरमैन और प्रबंधक निदेशक हैं। इस लेख में दिए गए उनके विचार निजी हैं।)

स्मृति शेष

गुरूतेग बहादुर प्रिटिंग प्रैस के श्री बलवीर सिंह बेहरी के दुखद निधन पर एसोसिएशन अपनी संवेदनाएं और श्रद्धांजलि अर्पित करती है। ईश्वर से प्रार्थना है कि शोक संतप्त परिवार को यह असीम दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

M.K.TRADING COMPANY
Deals in :
All Kinds of Offset Printing Material
& Book Binding Material
Authorised Distributor
SAKATA INX INDIA PVT. LTD.
TOYO INK INDIA PVT. LTD.
C-4/15, Ground Floor, Krishna Nagar, Delhi-51
Ph.: 011-22093611, M.: 9873362611
Email : mktradngco@gmail.com

प्रदूषण कर रहा है शरीर के अंगों पर चौतरफा वार

चिकित्सकों के मुताबिक प्रदूषण सिर के बाल से लेकर पैरों के नाखून तक को प्रभावित करता है। पार्टिकुलेट मैटर – पीएम 2.5 और इससे छोटे आकार के प्रदूषण कण फेफड़ों से गुजर कर आसानी से शरीर की कोशिकाओं में घुस जाते हैं। इसके बाद रक्त प्रवाह के माध्यम से वे शरीर के सभी अंगों की कोशिकाओं को प्रभावित करते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं प्रदूषण कैसे डाल रहा है शरीर पर बुरा असर और बचाव के लिए क्या करें उपाय।

दिमाग पर असर

एम्स की न्यूरोलॉजी विभाग की प्रमुख डॉक्टर पद्मा श्रीवास्तव के मुताबिक फेफड़े में पहुंचने के बाद वायु प्रदूषण के महीन कण खून में पहुंच जाते हैं। इससे दिमाग में रक्त की आपूर्ति कम हो सकती है। यह अल्जाइमर्स के खतरे को बढ़ा देता है। अध्ययनों में सामने आया है कि लंबे समय तक पीएम 2.5, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड से संपर्क का डिमेंशिया या बुजुर्गों में समझने की क्षमता में निरंतर गिरावट से संबंध पाया गया है।

आंखों पर प्रभाव

एम्स के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर जीवन एस तितियाल ने बताया कि प्रदूषण के संपर्क में रहने से आंखों में सूखापन , एलर्जी, दर्द के साथ यह आंसू को एसिडिक बना देता है। इससे आंखों को नुकसान पहुंचता है और रोशनी पर भी असर पड़ता है। आंखों को साफ पानी से धुलें।

जोड़ों का दर्द बढ़ाता है

एम्स की रुमेटोलॉजी विभाग की प्रोफेसर उमा कुमार के मुताबिक प्रदूषण से जोड़ों का दर्द बढ़ जाता है। सांस लेने के दौरान पीएम 2.5 कण सांस की नली में पहुंच जाते हैं। इससे नली में सूजन आने लगती है। इसकी वजह से शरीर में एन्जाइमेटिक रिएक्शन होता है।

दिल के दौरे का खतरा

एम्स के हृदय रोग विभाग के प्रोफेसर राकेश यादव के मुताबिक प्रदूषण से दिल के दौरे का खतरा भी बढ़ जाता है। यह दिल की धमनियों में बाधा के लिए जिम्मेदार है। मास्क लगाकर ही घर से बाहर निकलना चाहिए। कोशिश करें कि प्रदूषण स्तर ज्यादा होने पर घर से बाहर न निकलें और दिल की धड़कन तेज करने वाली गतिविधियों में हिस्सा न लें।

त्वचा और बालों को नुकसान

एम्स के त्वचा रोग विशेषज्ञ केके वर्मा के मुताबिक प्रदूषण से बाल भी गिरने लगते हैं और इनकी चमक खोने लगती है। वहीं, त्वचा पर दाग–धब्बे हो जाते हैं और वह रूखी व बेजान लगती है। प्रदूषण से चेहरे की चमक खोने लग जाती है। एग्जिमा, त्वचा की एलर्जी, उम्र से पहले झुर्रियों के साथ त्वचा के कैंसर तक की आशंका बढ़ जाती है।

फेफड़ों और गले पर असर

एम्स के चिकित्सक विजय हड्डा के अनुसार, प्रदूषण से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस जैसी बीमारियां होती हैं। इससे सांस लेने वाली नली में संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। प्रदूषण का सबसे बुरा असर अस्थमा के

मरीजों पर होता है। बिना इन्हेलर के वह घर से बाहर न जाएं। बाहर के साथ अंदर के प्रदूषण से भी बचकर रहें।

वायु प्रदूषण से बचाव के उपाय–

1– वायु प्रदूषण का स्तर ज्यादा होने पर घर के बार और ट्रैफिक वाले इलाके के पास व्यायाम न करें।

2– घर से बाहर निकलते वक्त मास्क, तौलिया या कोई साफ कपड़े से मुंह को ढंकें।

3– घर से बाहर या शहर के किसी इलाके में जाने से पहले शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स चेक करें। इसके आप अपने मोबाइल व इंटरनेट का इस्तेमाल कर सकते हैं।

4– घर में कुछ भी ऐसी चीजें न बनाएं जिससे कि ज्यादा धुंआ निकले। कम ईंधन इस्तेमल होने वाला खाना पकाएं।

5– अपने आवास के आस पास किसी प्रकार का कचरा लकड़ी आदि न जलाएं या जलाने दें।

6– घर या दुकान के आसपास पानी का छिड़काव करें। पेड़ पौधों व पार्क में स्प्रिंकुलर या फौव्वारे से पानी का छिड़काव करें।

7– ज्यादा फल व हरी सब्जियां खाएं। साथ ही प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों का इस्तेमाल करने की बजाए पैदल चलें या साइकिल का इस्तेमाल करें।

8– घर के अंदर बीड़ी, सिगरेट या किसी प्रकार के धूम्रपान का इस्तेमाल न करें।

PRINT TECH INDIA
PRINT TECH INDIA
8/1A/4, Site 4, Sahibabad, Ghaziabad (U.P.)
Google Maps Location : https://goo.gl/maps/3pcYD2Lmmpx
M.: 9899572510, 9555884221
printtechindia@hotmail.com, www.bharatprintingagency.com

BPA Bharat Printing Agency
Authorised Dealer :
HUBERGROUP INDIA PVT LTD TECHNOVA IMAGING SYSTEM PVT LTD
MACHINERY SPARE PARTS MATCHING CENTER HOT MELT GLUE
1449/73, Durga Puri Main, 100 Feet Road, Shahdara,
Delhi-110093 (INDIA) Ph.: 011-22131169
E-mail : sharmamanoj70@gmail.com

VLF CTCP SIZE : 56x76
HEIDELBERG KOMORI
MODERN PROCESS STUDIO
8/1A/4, Site 4, Sahibabad, Ghaziabad (U.P.)
E-mail : onlinectcp@gmail.com Ph.: 0120-4272183
KBA AKIYAMA
VLF CTCP SIZE : 56x76

विविध समाचार

नकली नोटों को पकड़ने वाला App लॉन्च, रुकेगी धोखाधड़ी

चेकफेक ब्रैंड प्रोटेक्शन सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड ने एक अनोखा ग्लोबल प्लेटफॉर्म 'चेकफेक' एप लांच किया है, जिससे विश्व की किसी भी मुद्रा के करंसी नोट की जांच यूजर्स कर सकते हैं। चेकफेक का मकसद जालसाजों से मुक्त एक ऐसी दुनिया बनाना है, जिससे उपभोक्ताओं, व्यवसायियों और सरकार समेत सभी भागीदारों को लाभ हो।

चेकफेक ऐप की लॉन्चिंग पर चेकफेक के निदेशक और सहसंस्थापक तन्मय जयसवाल ने कहा, 'चेकफेक एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है, जहां कोई भी विश्व के किसी भाग में प्रचलित मुद्रा की जांच कर सकता है।'

उन्होंने कहा, 'समूची दुनिया में फैले जाली नोटों की कुल कीमत 1.7 ट्रिलियन डॉलर आंकी गई है, जो जाली नोटों के संसार को विश्व की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाते हैं। सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के करंसी नोट आज जालसाजों के निशाने पर है। चेकफेक जाली करंसी की पहचान के लिए सिंगल पॉइंट डेस्टिनेशन है, स्मार्टफोन की सहायता से इसे किसी भी जगह से एक्सेस किया जा सकता है या इसका इस्तेमाल किया सकता है।'

जाली करंसी नोट दुनिया में हर जगह सकुर्लेट हो रहे है। इनकी काफी शुद्ध और सटीक ढंग से छपाई की जाती है, जिससे किसी भी उपभोक्ता को इनसे धोखा हो सकता है। हालांकि सभी प्रमुख करंसी नोट में हाई सिक्युरिटी फीचर्स रहते हैं, जिन्हें कॉपी करना काफी मुश्किल

होता है। उपभोक्ताओं के लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि वह फीचर्स कौन से है, जिससे वह नकली नोटों की पहचान कर सके और खुद सुरक्षित रह सके।

अगर नकली नोटों की पहचान नहीं की जाती तो वह प्रभावित अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव डाल सकते हैं। सामान्य तौर पर विश्व की जिन मुद्राओं के नकली नोट छापे जाते हैं, उनमें ब्रिटिश पाउंड, यूएस डॉलर, यूरो, भारतीय रुपये और चीन की युआन मुद्रा शामिल है।

जयसवाल ने कहा, 'हमने कई ऐसी डरावनी कहानियां सुनी हैं, जिसमें विदेशियों को नकली करंसी नोट थमा दिए जाते हैं, जिससे वह अनजान देश में परेशानियों और समस्याओं से घिर जाते हैं। चेकफेक एप विदेशी यात्रियों को नकली करेंसी नोटों की पहचान करने में मदद कर सकता है, जिससे उनका इस तरह की धोखाधड़ी से बचाव हो सके।'

Minimum Wages Revised from October 22, 2019

On the basis of the Supreme Court order dated October 14, 2019, the Addl. Secretary (Labour), Government of the NCT of Delhi, has issued a Notification No.13(1)2018/MW/Lab/3602 on October 22, 2019 notifying the following revised Minimum Wages payable in Delhi w.e.f. October 22, 2019:

Category of Employees	Minimum Rate of Wages in Rupees	
	Per Month	Per day
Unskilled	14,842	571
Semi-Skilled	16,341	629
Skilled	17,991	692
Clerical & Supervisory Staff		
Non Matriculates	16,341	629
Matriculates But Not Graduate	17,991	692
Graduate & Above	19,572	753

DDM GRAPHIC
www.ddmgraphic.in
EUROPE'S BEST USED
OFFSET & BINDING MACHINES
HEIDELBERG MITSUBISHI HEAVY INDUSTRIES, LTD. RYOBI KBA KOMORI
294, Patpar Ganj Indl. Area, Delhi-92. Mobile: 9871155294, 9311611152
+91-11-43054852, Email: d.d.m.graphic@gmail.com

विविध समाचार

कागज का आविष्कार किसने और कब किया

कागज का इस्तेमाल तो आज पूरी दुनिया में हो रहा है, लेकिन क्या आपको कागज के इतिहास के बारे में पता है कि कागज का आविष्कार किसने, कब और कैसे किया। भारत में कागज का इस्तेमाल कब से शुरू हुआ। आज कागज के बिना हमारे सभी काम अधूरे हैं, चाहे बच्चों की पढ़ाई हो या बैंक, व्यापार, आफिस आदि का काम सभी कागज बिना संभव नहीं हैं। कागज को बनाने में घास फूंस, लकड़ी, कच्चे मालए सेलुलोज–आधारित उत्पाद का इस्तेमाल होता है।

कागज का आविष्कार

कागज का आविष्कारक चीन को माना जाता है क्योंकि सबसे पहले कागज का इस्तेमाल चीन में ही किया गया था। कागज का आविष्कार करने वाले शख्स का नाम है बंप स्नद जो चीन के रहने वाले थे। इन्होंने 202 ईपू. हान राजवंस के समय में कागज का आविष्कार किया था। यह बात तो स्पष्ट हो गई की कागज का आविष्कार चीन में हुआ लेकिन चीन के बाद भारत ही वह देश है जहां कागज बनाने और इस्तेमाल किए जाने के प्रमाण मिले। सिंधु सभ्यता के दौरान भारत में कागज के निर्माण और उपयोग के कई प्रमाण सामने आए हैं जिनसे ये साबित होता है की

चीन के बाद भारत में ही सर्वप्रथम कागज का निर्माण और उपयोग हुआ। ऐसा माना जाता है की इस खोज के बाद से ही पूरी दुनिया में कागज का इस्तेमाल व्यापक रूप में होने लगा था।

भारत मे कागज के उद्योग

भारत में कागज बनाने की सबसे पहली मिल कश्मीर में लगाई गई थी जिसे वहां के सुल्तान जैनुल आबिदीन ने स्थापित किया था। सन् 1887 मे भी कागज बनाने वाली मिल स्थापित की गई थी जिसका नाम था टीटा कागज मिल्स, लेकिन ये मिल कागज बनाने में असफल रही। आधुनिक कागज का उद्योग कलकत्ता में हुगली नदी के तट पर बाली नामक स्थान पर स्थापित किया गया।

कागज का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य कौनसा है?

भारत में पेपर उद्योग कृषि आधारित है और इसमें कागज बनाने के लिए यूकेलिप्टस और अन्य पेड़ों के पौधों के रोपण के लिए अधिक भूमि की आवश्यकता होती है। देश में पहली पेपर मिल 1812 में सेरामपुर (बंगाल) में स्थापित की गई थी, लेकिन कागज की मांग में कमी के कारण विफल रही। 1870 में, कोलकाता के पास बल्लीगंज में एक नया उद्यम शुरू किया गया था। भारत सरकार ने पेपर उद्योग को "कोर इंडस्ट्री" के रूप में परिभाषित किया।

महाराष्ट्र भारत में प्रमुख कागज उत्पादक राज्य है। इसमें 63 मिलें हैं, जो स्थापित क्षमता का 16.52 प्रतिशत है और भारत में उत्पादित कागज का 18 प्रतिशत उत्पादन करती है।

जन्मदिन और वैवाहिक वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएं

Mr. S. S. Lunkar, EC Member of DPA and owner of Uphar Technologies Print & Publicities on October 1, 2019.

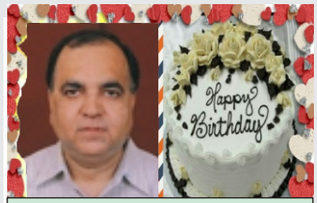

Mr. Raj Kumar Arya, Former President of DPA and owner of Sindhu Art Printing Press on October 2, 2019

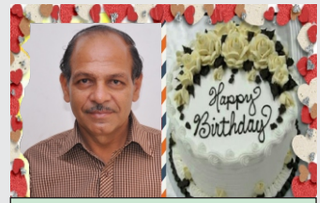

Mr. Ajay Sharma, EC Member of DPA and owner of Bharat Mudranalaya on October 4, 2019.

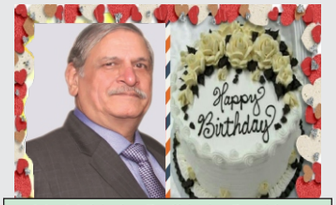

Mr. Mahinder Budhiraja, President of DPA and owner of Emkay Printers on October 8, 2019

Mr. Vijay Goel, EC Member of DPA and owner Aravali Printers & Publishers P. Ltd. on October 13, 2019.

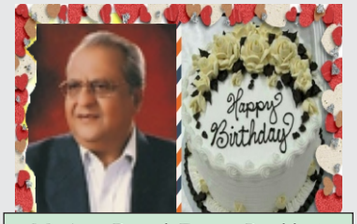

Mr. Arun Bansal, Former President of DPA and owner of Modern Printers on October 14,2019

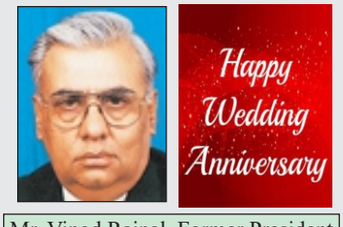

Mr. Vinod Rajpal, Former President of DPA and owner of Syndicate Binders on October 15, 2019

Optimum

Rajesh Kumar
9899151054

OPTIMUM RUBBER ROLLERS

CB-225, Ring Road, Naraina, New Delhi-110 028
Phone 9899151055 • E-mail: optimumrubberrollers@gmail.com

Deals in Printing (Offset & Industrial) Rubber Rollers/U.V. Combo Roller/
P.U. Coating/Rilsan Coating/S.S.Coating etc.
Available:
Ready Stock, Under Exchange for
All Common Offset Machines such as
Dominant/Poly/Heidelberg (MOB/SORS/SORD/SORM/SORK/SM-72/ SM-102/SM-74) & others

THE PUNE PRESS OWNERS ASSOCIATION (PPOA) CENTENARY CELEBRATION

1919–2019: 100 Years, Centenary Year Celebrations of The Poona Press Owners Association, the oldest print media association in India took place at The Ball Room, Hotel Hyatt Regency in Pune (Maharashtra, India) on 21st Sept 2019.

The function was graced by Dr. S.B. Mujumdar, Chancellor, Symbiosis University, Haruhiko Akustu San, Chairman and Managing Director, Toyo Ink India, Prof. Dr.Rajendrakumar Anayath, Vice Chancellor, Deenbandhu Chhotu Ram University of Science and Technology, Haryana, S. F. H. Rizvi, Post Master General, Pune Region and was attended by various dignitaries from print associations and printers from all over India.

The release of the Film: 100 Pananchi Goshta (A tale of 100 Pages): The function started with lighting up of lamp and Ganesh Vandana followed by the release of beautiful documentary film “100 Panachi Goshta” (The Story of 100 pages) depicting the exhilarating the roller coaster ride with fond memories, hardships and triumphs of The Poona Press Owners Association over the past 100 years. The journey in the film elaborates on many facets of association including its start up, scenarios of changing times, challenges faced by veterans & philosophy and mindset of industry while rejuvenating an old era. All these moments of success and tough times are presented in intrigued manner.

Mr. Pravin Joshi and camera work, editing and direction is by Bhai Dole.

JR

INTERNATIONAL

IMPORTERS, INDENTORS & STOCKIST

BOOK BINDING MATERIAL GREY BOARD

PAPER & BOARD JELLY GLUE CORNER TAPE

Call us : +91 9810090933 | Email : jr.international09@gmail.com